

अध्याय 13

बंदर खेत में भाग गया

प्रश्न-अभ्यास

क्या बिछाया, क्या ओढ़ा?

प्रश्न 1.

बंदर चलनी बिछाकर, सूप ओढ़कर सो गया।
लिखो, ये कैसे सोएँगे?

उत्तर :

	क्या बिछाएँगे?	क्या ओढ़ेंगे?
हाथी :	“पत्ते”	“झाड़ियाँ”
चींटी :	“बालू”	“तिनके”

भागो, भागो, भागो!!

प्रश्न 2.

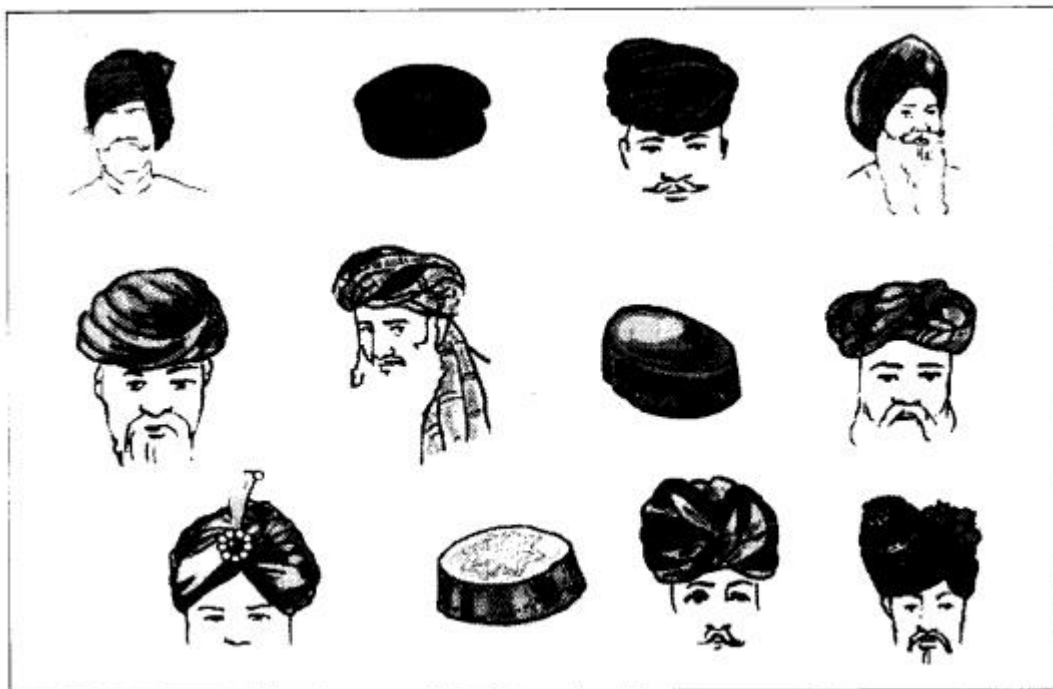
बंदर खेत से साग तोड़कर भागा। कौन-कौन-से काम करने के बाद
तुम्हें भागना पड़ता है?

उत्तर :

- कुत्ते को ढेला मारने के बाद।
- छोटे भाई से लड़ने के बाद (माँ के डर से)।
- घर आए बहुरूपिये को देखने के बाद।
- रात में कोई अनजान या डरावनी आवाज़ सुनने के बाद।

प्रश्न 3.

इसमें कितनी तरह की टोपियाँ और पगड़ियाँ हैं? बताओ।



उत्तर :

तीन तरह की टोपियाँ।

नौ तरह की पगड़ियाँ।

दो अंक के प्रश्न और उत्तर

प्रश्न 1: इस कविता में कौन-कौन से घटनाएं घटित हुई थीं?

उत्तर: इस कविता में बंदर ने साग के खेत में जाकर साग तोड़ा, उसे जलाकर पकाया, सापड़-सूपड़ करके खाया, दूब उखाड़कर मुँह पोंछा, राजा चलनी बिछाकर सूप ओढ़कर सोने की तैयारी की।

प्रश्न 2: बंदर के क्रियाकलापों का विवेचन करें और उनकी चालाकी कैसे दिखती है?

उत्तर: बंदर ने अपनी चालाकी से साग के खेत में जाकर सारा साग तोड़ा, उसे जलाकर पकाया, सापड़-सूपड़ करके खाया, दूब उखाड़कर मुँह पोंछा, और

फिर राजा चलनी बिछाकर सूप ओढ़कर सो गए। इससे बंदर की चालाकी और विवेचन का अंदाजा होता है।

प्रश्न 3: बंदर ने क्यों-क्यों क्रियाएं की और उनसे कौन-कौन से सिखें जा सकते हैं?

उत्तर: बंदर ने साग के खेत में जाकर साग तोड़ा, उसे जलाकर पकाया, सापड़-सूपड़ करके खाया, दूब उखाड़कर मुँह पोंछा, राजा चलनी बिछाकर सूप ओढ़कर सो गए। इन क्रियाओं से हम सोच सकते हैं कि बंदर ने चालाकी और होशियारी से कार्य किए हैं।

प्रश्न 4: इस कविता से कौन-कौन सी सीखें निकाली जा सकती हैं?

उत्तर: इस कविता से हमें यह सिखने को मिलता है कि होशियारी और चालाकी से हम किसी भी स्थिति से निकल सकते हैं। बंदर ने अपने क्रियाकलापों से अपने लाभ को सुनिश्चित किया और दूसरों को ठगा।

प्रश्न 5: बंदर ने कैसे अपने लाभ के लिए चालाकी से काम किया?

उत्तर: बंदर ने साग के खेत में जाकर साग तोड़ा, उसे जलाकर पकाया, सापड़-सूपड़ करके खाया, दूब उखाड़कर मुँह पोंछा, राजा चलनी बिछाकर सूप ओढ़कर सो गए। इससे बंदर ने अपने लाभ के लिए चालाकी से काम किया और उसने राजा को ठगा।

प्रश्न 6: कविता में इस घटना को रोचक बनाने के लिए कौन-कौन से शब्दों का प्रयोग किया गया है?

उत्तर: कविता में गेंद और बल्ले के क्रियाकलापों का वर्णन बड़े ही रोचक ढंग से है। यहाँ परिभाषा, तुलना, अलंकार आदि के शब्दों का प्रयोग किया गया है जो घटना को रोचक बनाने में सहायक हैं।

चार अंक के प्रश्न और उत्तर

प्रश्न 1: बंदर की चालाकी कैसे दिखती है और इसका क्या परिणाम हुआ?

उत्तर: बंदर ने अपनी चालाकी से साग के खेत में जाकर साग तोड़ा, उसे जलाकर पकाया, सापड़-सूपड़ करके खाया, दूब उखाड़कर मुँह पोंछा, और फिर राजा चलनी बिछाकर सूप ओढ़कर सो गए। इससे बंदर की चालाकी और विवेचन का अंदाजा होता है।

प्रश्न 2: कविता में बंदर के क्रियाकलापों से हमें कौन-कौन सी सीखें मिलती हैं?

उत्तर: इस कविता से हमें यह सिखने को मिलता है कि होशियारी और चालाकी से हम किसी भी स्थिति से निकल सकते हैं। बंदर ने अपने क्रियाकलापों से अपने लाभ को सुनिश्चित किया और दूसरों को ठगा।

प्रश्न 3: कविता में उपयुक्त शब्दों का प्रयोग किस तरह से हुआ है जो घटना को रोचक बनाता है?

उत्तर: कविता में गेंद और बल्ले के क्रियाकलापों का वर्णन बड़े ही रोचक ढंग से है। यहाँ परिभाषा, तुलना, अलंकार आदि के शब्दों का प्रयोग किया गया है जो घटना को रोचक बनाने में सहायक हैं।

प्रश्न 4: बंदर ने कैसे अपने लाभ के लिए चालाकी से काम किया?

उत्तर: बंदर ने साग के खेत में जाकर साग तोड़ा, उसे जलाकर पकाया, सापड़-सूपड़ करके खाया, दूब उखाड़कर मुँह पोंछा, राजा चलनी बिछाकर सूप ओढ़कर सो गए। इससे बंदर ने अपने लाभ के लिए चालाकी से काम किया और उसने राजा को ठगा।

प्रश्न 5: बंदर ने कैसे दूसरों को ठगा और इससे हमें कौन-कौन सी सिखने को मिलती है?

उत्तर: बंदर ने अपनी चालाकी और होशियारी से साग का लाभ उठाया और राजा को ठगा। इससे हमें यह सिखने को मिलता है कि जीवन में आपातकालीन स्थिति में होशियारी से कार्य करना और लाभ उठाना कितना महत्वपूर्ण है।

सात अंक के प्रश्न और उत्तर

1. प्रश्न: बंदर ने राजा को कैसे ठगा और इससे हमें क्या सिखने को मिलता है?

उत्तर: बंदर ने राजा को ठगा तब कांपी दी गई राजा की रेलगाड़ी और सोने की ठाली में रखे साग से। इससे हमें यह सिखने को मिलता है कि होशियारी और चालाकी से ही किसी भी आपातकालीन स्थिति से बाहर निकला जा सकता है और लाभ उठाया जा सकता है।

2. प्रश्न: इस कहानी में बंदर का क्रियाकलाप किस प्रकार से बताया गया है और इससे कहानी को कैसा रूप मिलता है?

उत्तर: इस कहानी में बंदर का क्रियाकलाप बड़े ही रोचक ढंग से बताया गया है, जिससे कहानी में मजा और रोचकपन बना रहता है। बंदर ने साग के खेत में कैसे होशियारी से काम किया, राजा को कैसे ठगा, और सोने की ठाली में कैसे साग छुपा दिया, यह सब कुछ किसी भी पठन को मनोरंजन बनाता है।

3. प्रश्न: कहानी में बंदर का क्रियाकलाप दिखाने के माध्यम से लेखिका ने कौन-कौन सी भाषा और अंदाज का प्रयोग किया है?

उत्तर: कहानी में बंदर के क्रियाकलापों को दिखाने के लिए लेखिका ने बच्चों की भाषा और खिलवार अंदाज का प्रयोग किया है। उन्होंने बंदर को होशियारी और चालाकी से काम करते हुए बताया है, जिससे कहानी बच्चों के लिए अधिक प्रभावी और मनोरंजक होती है।

कविता का सारांश

‘बंदर गया खेत में भाग’ कविता के रचयिता सत्यप्रकाश कुलश्रेष्ठ हैं। इस कविता में उन्होंने एक बंदर के क्रियाकलापों का बड़े ही रोचक ढंग से वर्णन किया है। एक बंदर एक साग के खेत में गया और ढेर सारा साग तोड़ा। फिर उसने आग जलाकर साग पकाया और उसे सापड़-सूपड़ करके खूब मजे से खाया। उसके बाद उसने दूब उखाड़कर अपना मुँह पोंछा। फिर बंदर राजा चलनी बिछाकर और सूप ओढ़कर मजे से सो गए।

शब्दार्थ : चुट्ट र-मु ट्टर-लकड़ी की आग जलने पर होने वाली चट-चट की ध्वनि। खद्दर-बद्दर-साग-सब्जी को उबालने पर होनेवाली आवाज़।

प्रसंग: प्रस्तुत पंक्तियाँ हमारी पाठ्यपुस्तक रिमझिम, भाग-1 में संकलित कविता ‘बंदर गया खेत में भाग’ से ली गई हैं। इसके रचयिता सत्य प्रकाश कुलश्रेष्ठ हैं। इस कविता में एक बंदर के क्रियाकलापों का वर्णन किया गया है।

व्याख्या: एक बंदर एक खेत में भागकर गया। उसने खेत में साग तोड़े। उसने लकड़ी से आग जलाई तथा खूब अच्छी तरह से साग पकाया।

शब्दार्थ: दूब-एक प्रकार की घास। भूप-राजा।

प्रसंग: पूर्ववत्।

व्याख्या: बंदर ने साग को खूब मजे से खाया। फिर उसने दूब उखाड़कर अपना मुँह पोंछा। उसके बाद बंदर राजा चलनी बिछाकर सूप ओढ़कर डटकर सो गए।